censeo, adjectâ sibilante et regressâ reduplicatione in radicis litteram initialem, sicut in *Desid.* दिधक्ष्; v. धुक्ष्.)

धिन्व् 5. *P.* (प्रीणने *K.* प्रीतिगत्योः *V.*, scribitur धिव्, gr. 110[a].; tempora specialia format e धि, inde धिनोमि) exhilarare; ire. *K.*: धिनोति द्रव्येन हिरण्यरेतसम्.

धिष् 3. *P.* (शब्दे *K.* रवे *V.*) sonare.

धिष्ण्य *n.* locus, regio. IN. 1. 34. RAGH. 15. 59.

1. **धी** 4. *A.* (अनादरे *K.* आराधे अनादरे *V.*) spernere; colere, venerari, exhilarare.

2. **धी** *f.* (a r. ध्यै cogitare, abjecto ऐ et mutato य् in ई) mens, intellectus. BH. 2. 54.

धीति *f.* (r. धे s. ति) sitis. HEM.

धीमत् (r. धी s. मत्) mente, intellectu praeditus, sapiens. IN. 1. 31. N. 17. 2.

धीर (a r. धृ i. e. धर्, mutato अ in ई, suff. अ) 1) firmus, solidus, constans, fortis. 2) profundus. RAGH. 18. 3.; *de sono* RAGH. 3. 43. 3) (ut videtur, a धी intellectus s. र) sapiens. BH. 2. 13. RAGH. 3. 10.

धीरता *f.* (a praec. s. ता) fortitudo. RAGH. 8. 43.

धीरत्व *n.* (a धीर s. त्व) *id.* HIT. 89. 19.

धीवर *m.* piscator. HIT. 110. 2.

धु 5. *P. A.* agitare, commovere, concutere. H. 2. 6.: धुन्वन् वृक्षान् शिरोरुहान्; MAH. 2. 2704.: गदान् धुन्वानः. *Pass.* धूये *et Intens.* दोधूय् *tam a* धु *quam a* धू *derivari possunt; v. gr.* 495. (V. धू et cf. gr. θύω, θύνω, θύελλα; θαῦ-μα, a motione animi; hib. *doineann* «inclement weather, a tempest», *doineannach, doineannta* «stormy, tempestuous»; nisi in his vocabulis *do* est particula privativa.)

c. वि *i. q. simpl.* R. Schl. II. 23. 4.: अग्रहस्तम् विधुन्वन्; MAH. 1. 7035.: विधुन्वन्तो ऽजिनानि.

धुक्ष् 1. *A.* (ut mihi videtur, a r. दह्, attenuato अ in उ, v. धिक्ष्) *i. q.* धिक्ष्.

c. सम् ardere, flagrare. BHATT. 14. 109.: सन्दुधुक्षे तयोः कोपः. *Caus.* accendere. BHATT. 2. 28.: शराग्निः सन्धुक्ष्यताम्; MAH. 1. 5628.: अग्निस्तोकम् इवा ऽत्मानं यः सन्धुक्षयति नरः. Recreare. MAH. 1. 2344.: कृशान् सन्धुक्षयन्ति; GITA-GOV. 3. 12.

धुर् *f.* (*Nom.* धूर्, धूः, gr. 73[a]., a r. धृ, i. e. धर्, attenuato अ in उ, v. कृ, unde करोमि, कुर्मस्) 1) temo. DR. 8. 18.; *transl.* frons, primus locus. RAGH. 1. 91. 2. 2. 2) onus. RAGH. 1. 34.

धुरीण *m.* (ut videtur, forma anom. part. praes. *ATM.* radicis धृ, mutato suffixo आन in ईन, cf. आसीन, gr. 599.) jumentum. HIT. 27. 6.

धुर्य (a धुर् s. य) jumentum, equus. RAGH. 6. 78. 1. 54.

1. **धू** 5. *P. A.* धूनोमि, धून्वे (*Part. pass.* धूत et धून) agitare, commovere, concutere, quatere. RAGH. 4. 67.: दुधुवुर् वाजिनः स्कन्धान्; N. 17. 40.: वायुना धूयमानः पावकः; RAM. I. 35. 32.: धूतपाप excussum peccatum habens, i. e. peccato solutus. *Intens.* DR. 2. 1.: अग्निशिखे ऽव दोधूयमाना पवनेन. (दुधुवुः, *Pass.* धूये et *Intens.* दोधूये etiam ad धु, q. v., referri possunt.)

c. अव excutere, abjicere. MAH. 3. 2032.: अवधूय पापम्; RAGH. 3. 61.: अवधूय तद्व्यथाम्; 9. 20.: अवधूतभयाः. Concutere. MAN. 5. 125.: अवधूतम्. Repellere, rejicere. UR. 75. 19.: माम् अवधूय पादपतितम्. *Caus.* धावयामि vel धूनयामि (gr. 523.) concutere. MAN. 3. 229.: नै ऽतद् (अन्नम्) अवधूनयेत्.

c. अव praef. वि excutere, abjicere. R. Schl. II. 60. 5.: व्यवधूय सन्तापम्.

c. आ *i. q. simpl.* RAGH. 14. 11. BHATT. 8. 54. MAH. 2. 2240.

c. आ praef. वि *id.* MAH. 3. 15588.: सा व्याधूयमाना पवनेन; UR. 59. 14.

c. आ praef. सम् *id.* R. Schl. I. 32. 15.

c. उत् *id.* DR. 6. 4.: समन्युर् उद्धूयते प्राणपतिः शरीरे. Excitare, *de pulvere.* DR. 6. 26.: अपश्यंस् तस्य सैन्यस्य रेणुम् उद्धूतम्; R. Schl. I. 28. 14.: उद्धूयमाना रजो घोरम्; MAH. 3. 13538.: वातेन रज उद्धूयते.

c. उत् praef. सम् *id.* MAH. 1. 1336.: रजः समुद्धूय.

c. निस् excutere. BH. 5. 17.: ज्ञाननिर्धूतकल्मषाः. Concutere. R. Schl. II. 35. 1.: निर्धूय शिरः. — निर्धवि-